آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com

۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلَمِ

| |
|---|
| ص م ح م د صلی اللہ علیہ وسلم |
| ص ح م د م صلی اللہ علیہ وسلم |
| ص م د م ح صلی اللہ علیہ وسلم |
| ص د م ح م صلی اللہ علیہ وسلم |

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ



दुरूदे चहेल मीम

# स़लातुल मीमिल्अरबईन

## दुरूदे चहेल मीम

31

मुरत्तिब

बमौक़ा रमज़ान 1439हि0
बफ़ैज़े रूह़ानी सय्यिदुना मोह़्युद्दीन
व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात
मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

2

بِسۡمِ اللهِ وَالۡحَمۡدُ لِلّٰهِ لَهٗ مَافِي السَّمٰوٰتِ وَمَافِي
الۡاَرۡضِ اَللّٰهُمَّ صَلِّ وَسَلِّمۡ عَظِيۡمًا وَّبَارِكۡ بَرَكَةً
دَائِمَةً عَلٰى مَوۡلَائِیۡ عَظَمَتِكَ وَاَمۡرِكَ وَمَجۡدِكَ
وَحِلۡمِكَ وَرَحۡمَتِكَ وَكَرَمِكَ وَنِعۡمَتِكَ
وَاِنۡعَامِكَ وَعِلۡمِكَ وَحِكۡمَتِكَ وَمَعۡرِفَتِكَ
وَمَغۡفِرَتِكَ وَحَمۡدِكَ وَسَيِّدِ الۡحَامِدِيۡنَ
وَالۡمُرۡسَلِيۡنَ وَالۡمَعۡصُوۡمِيۡنَ وَالۡمُتَّقِيۡنَ
وَالصَّائِمِيۡنَ وَالۡمُذَكِّرِيۡنَ وَالۡمَحۡفُوۡظِيۡنَ
وَالۡكَامِلِيۡنَ وَهُوَ نُوۡرُكَ الۡمَحَبَّةُ رَحۡمَةٌ لِّلۡعٰلَمِيۡنَ
مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللهِ وَعَلٰى وَالِدَيۡهِ وَاٰلِهٖ وَاَصۡحَابِهٖ

3

وَاَوۡلِيَاءِ اُمَّتِهٖ وَكُلِّ اُمَّتِهٖ كُلَّ الۡحَالِ ○

**तर्जमा:–** अल्लाह के नाम से शुरूअ़ और तमाम तअ़रीफ़ अल्लाह ही के लिए है उसी ही के लिए है जो कुछ भी आसमानों और ज़मीन में है, ऐ हमारे अल्लाह तू खूब खूब अ़ज़मत व बुलंदी वाला दुरूदो सलाम और दाइमी बरकत नाज़िल फ़रमा हमारे मौला अपनी बड़ाई पर, अपने अम्र पर, अपनी बुज़ुर्गी पर, अपनी बुर्दबारी पर, अपनी रह़मत पर, अपने करम पर, अपनी नेअ़मत पर, अपने इन्अ़ाम पर, अपने इ़ल्म पर, अपनी ह़िकमत पर, अपनी मअ़रिफ़त पर, अपनी बख़्शिश पर, अपनी तअ़रीफ़ पर, तमाम तअ़रीफ़ करने वालों के सरदार पर तमाम रसूलों, तमाम मअ़सूमों और तमाम परहेज़गारों के सरदार पर, तमाम रोज़ादारों, खूब ज़िक्र करने वालों, मह़फ़ूज़ लोगों और कमाल वालों के सरदार पर और वह तेरे नूरे मोह़ब्बत सारे जहान के लिए रह़मत मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं। (और खूब दुरूदो सलाम और बरकत नाज़िल हो) आप ﷺ के वालिदैन पर, आप ﷺ की आल पर, और अस़ह़ाब पर, आप ﷺ की उम्मत के औलिया पर, और आप ﷺ की सारी उम्मत पर हर दम।

4

## फ़ज़ीलत

यह दुरूद चालीस मीम पर मुशतमिल है जिस के बेशुमार फ़ज़ाएल हैं इस दुरूद को पढ़ने वाले पर अल्लाह खूब खूब रहमतो करम की मौसला धार बारिश फ़रमाएगा, यह दुरूद हल्लुल मुशकिलात और मुसब्बेबुल असबाब है, इस दुरूद को चालीस बार पढ़ कर अल्लाह की बारगाह में दुआ़ करे तो दुआ़ क़बूल होगी, जो शख़्स इस दुरूद को सुब्हो शाम 11/11/ बार पढ़ने का मअ़मूल बनाए तो वह बेशुमार नेअ़मतों का ह़क़दार होगा, उसे सलामतीए ईमान की दौलत ह़ासि़ल होगी और वह दह्रो क़ब्रो ह़श्र में हर तकलीफ़, हर ख़ौफ़ और हर रन्जो ग़म से मह़फ़ूज़ रहेगा। इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

**नोट:–** आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन ''दुरूदे रूह़ानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ अस्रारे ''मीम ह़ा मीम दाल'' और दुरूदे चहल मीम''वग़ैरह **www.syed14peer.com** पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं।

Mo. 9695435877

5

**نیت روزہ:**

نَوَيۡتُ اَنۡ اَصُوۡمَ لِلّٰهِ تَعَالٰى
مِنۡ فَرۡضِ رَمَضَانَ هٰذَا ○

**دعائے افطار:**

اَللّٰهُمَّ لَكَ صُمۡتُ وَبِكَ اٰمَنۡتُ وَعَلَيۡكَ تَوَكَّلۡتُ
وَعَلٰى رِزۡقِكَ اَفۡطَرۡتُ ○

## تراویح کی دعا

سُبۡحَانَ ذِى الۡمُلۡكِ وَالۡمَلَكُوۡتِ سُبۡحَانَ ذِى الۡعِزَّةِ
وَالۡعَظَمَةِ وَالۡهَيۡبَةِ وَالۡقُدۡرَةِ وَالۡكِبۡرِيَآءِ وَالۡجَبَرُوۡتِ
سُبۡحَانَ الۡمَلِكِ الۡحَيِّ الَّذِىۡ لَايَنَامُ وَلَا يَمُوۡتُ
سُبُّوۡحٌ قُدُّوۡسٌ رَبُّنَا وَرَبُّ الۡمَلٰٓئِكَةِ وَالرُّوۡحِ
اَللّٰهُمَّ اَجِرۡنَا مِنَ النَّارِ يَا مُجِيۡرُ يَا مُجِيۡرُ يَا مُجِيۡرُ ○